वियान होते हुये झांझरपुर से हसनपुर तक रेलवे लाइन

1609. **श्री राम भगत पासवान** : क्या रेल मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सामान्य जनता सरकार से यह अनुरोध कर रही है कि बिहार के दरभंगा जिले में वियान होते हुए झांझरपुर से हसनपुर तक नई रेलवे लाइन बनाई जाये ; और

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार उक्त रेलवे लाइन बनाने का है ; और यदि हां, तो किस समय तक ?

रेल मंत्री (श्री हनुमंतैया) : (क) जी नहीं। परन्तु खतौना के रास्ते झांझरपुर से लोक बाजार तक नयी रेलवे लाइन बनाने के लिये अभ्यावेदन अवश्य प्राप्त हुए हैं।

(ख) प्रस्तावित रेल सम्पर्क के लिए शीघ्र ही इन्जीनियरी व्यावहारिकता अध्ययन और यातायात मूल्यांकन करने का विचार है। प्रस्तावित अध्ययन और मूल्यांकन के पूरे हो जाने तथा उनकी रिपोर्टों पर सभी दृष्टिकोणों से जांच करने के बाद ही इस प्रस्ताव पर आगे विचार किया जायेगा।

Execution of Kameng Project in the North-East Frontier Agency

1610. SHRI VISWANARAYAN SHASTRI : Will the Minister of IRRIGATION AND POWER be pleased to state :

(a) whether the Kameng Project in the North-East Frontier Agency is expected to be executed during 1971-72 ; and

(b) if not, the reasons for the delay ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER (SHRI B. N. KUREEL) : (a) and (b). No, Sir. Stage I of the project is at present under detailed investigations. After the investigations are completed, a project report will be prepared and decision regarding the implementation of the project will be taken thereafter.

Upgradation of Ministerial Staff working in Indian Railways

1611. SHRI RAJDEO SINGH : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether there is any proposal under Government's consideration for upgradation of ministerial staff working in Indian Railways since last many years ; and

(b) if so, the details thereof ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI HANUMANTHAIYA) : (a) No. There is a Cabinet decision that there should be a total ban on any upgradation till such time as the final recommendations of the Third Pay Commission are received and considered by Government.

(b) Does not arise.

Fall in Goods Train on Eastern Railway

1612. SHRI RAJDEO SINGH : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether there has been a considerable fall in the goods traffic in Eastern Railway ; and

(b) if so, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI HANUMANTHAIYA) : (a) Yes, the loading of revenue earning goods traffic on Eastern Railway during 1970-71 has been approximately 5.649 million tonnes less than the previous year.

(b) The drop in loading on the Eastern Railway has mainly been due to serious dislocation of train services on account of poor law and order condition and such miscreant activities, as large scale thefts of wagon fittings, overhead traction wires, telecommunication cables, track materials as also victimisation of passenger and Railway staff on trains and goods trains, looting of wagons and Railway property, bundhs, hartals and stoppage of trains by the public.

Overpayment to a Contracting Organisation doing work under Engineer-in-Chief, Electrification, Northern Railway, Allahabad

1613. SHRI C. K. CHANDRAPPAN : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether a large amount of over-

payment has been made to M/s. R. S. Steel, a contracting organisation doing contract work under Engineer-in-Chief, Electrification, Northern Railways, Allahabad, during the period 1969-70 ;

(b) whether the Senior Accountants Officer, Northern Railway, Allahabad and Auditor, Northern Railway, Allahabad had put a strong objection against the above over-payment and for violating the relevant rules in this regard ; and

(c) if so, the action taken thereon ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI HANUMANTHAIYA) : (a) No.

(b) and (c). Do not arise.

जाओरा और मन्दसौर रेलवे स्टेशनों (पश्चिम रेलवे) में कर्मचारियों की आवश्यकताएं

1614. **डा० लक्ष्मी नारायण पाँडे** : क्या रेल मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पश्चिम रेलवे के जाओरा और मंदसौर रेलवे स्टेशनों में कार्य कर रहे अधिकारियों और कर्मचारियों की अलग-अलग संख्या कितनी है ;

(ख) क्या वहां यात्रियों और माल के दैनिक यातायात को ध्यान में रखते हुए दोनों ही स्टेशनों पर अधिकारियों और कर्मचारियों की संख्या कम है ;

(ग) क्या कर्मचारियों की कमी को कर्मचारियों और अधिकारियों को समयोपरि भत्ता देकर पूरा किया जा रहा है ; और

(घ) यदि हां, तो इन दोनों स्टेशनों पर कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि करने के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है ?

रेल मन्त्री (श्री हनुमंतैया) : (क)

	अधिकारियों की संख्या	कर्मचारियों की संख्या श्रेणी III	श्रेणी IV
जावरा	कोई नहीं	14	13
मंदसौर	कोई नहीं	25	20

(ख) इन दोनों स्टेशनों पर यात्रियों और माल के दैनिक यातायात को देखते हुए कर्मचारियों की संख्या पर्याप्त समझी जाती है।

(ग) कर्मचारियों की कमी के कारण समयोपरि भत्ते का कोई भुगतान नहीं किया गया है। लेकिन जिन स्टेशनों पर कर्मचारियों के छुट्टी पर जाने के कारण अनुपस्थिति बहुत अधिक रही वहां कभी-कभी कर्मचारियों को समयोपरि भत्ता दिया गया है।

(घ) सवाल नहीं उठता।

मालगाड़ी का पश्चिम रेलवे के जाओरा स्टेशन पर खड़े रहना

1615. **डा० लक्ष्मी नारायण पांडे** : क्या रेल मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 45 माल डिब्बों वाली पूरी लदी हुई एक मालगाड़ी पश्चिम रेलवे के जाओरा रेलवे स्टेशन पर 9 अप्रैल, 1971 से 26 अप्रैल, 1971 तक खड़ी रही ; और

(ख) यदि हाँ, तो मालगाड़ी के इतने अधिक समय तक उक्त स्टेशन पर खड़े रहने के क्या कारण थे ?

रेल मंत्री (श्री हनुमंतैया) : (क) और (ख). जी हां। 8-4-1971 को पश्चिम रेलवे के नीमच-रतलाम मीटर लाइन खंड के जावरा स्टेशन पर एक खंडीय मालगाड़ी को खड़ा कर दिया गया था। ऐसा करना इसलिए जरूरी हो गया क्योंकि मजदूरों की निरन्तर कमी बनी रहने के कारण यानान्तरण का क्रम प्रभावित हो जाने के फलस्वरूप यानान्तरित होने वाले माल-डिब्बे इकट्ठे हो गये थे जिसके परिणामस्वरूप रतलाम यार्ड में इस मालगाड़ी का आदान नहीं किया जा सकता था। जब रतलाम में एकत्रित माल डिब्बों की उत्तरोत्तर निकासी हो गयी, तो इस गाड़ी के भी कुछ माल डिब्बों की निकासी 22-4-71 को और शेष माल डिब्बों की निकासी 26-4-1971 को कर दी गयी।